पूर्णकालिक एवं अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम
Full Time &Part Time Ph.D Program
2025–26

2025-26

देव संस्कृति विश्वविद्यालय
गायत्रीकुंज, हरिद्वार उत्तराखण्ड – 249411

पी–एच.डी. पाठ्यक्रम (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक)

शोध उपाधि पाठ्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को अनुसंधान की दिशा में देश व राज्य की वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप नवीन पहलुओं और समस्याओं पर शोध अध्ययन कराने के साथ–साथ शोध प्रविधि का वैज्ञानिक व गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना है। यह पाठ्यक्रम यू.जी.सी. द्वारा निर्गत मानकों एवं दिशा निर्देशों (2022) के अनुरुप तैयार किया गया है।

योग्यता (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक)

- पीएच–डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत (UGC-10 प्वाईन्ट स्केल) अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- जिस विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है केवल उसी विषय में पीएचडी हेतु आवेदन कर सकते है।
- SC/ST/OBC/PWD के अभ्यर्थियों को उत्तराखण्ड शासनादेश के अनुसार प्रवेश परीक्षा में 5 % अंकों की छूट दी जाएगी।

अंशकालिक पीएच–डी. हेतु उपरोक्त के अतिरिक्त अनिवार्य अर्हताएँ एवं शर्ते –

1) कोई भी अभ्यर्थी जो किसी भी शिक्षा संकाय (केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/निजी संस्थान) या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/पंजीकृत औद्योगिक संस्थान/कम्पनी का पोषित कर्मचारी है, अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम के लिए अहर्य है।
2) आवेदक को आवेदन करते समय कम से कम दो वर्ष तक नियमित सेवा में निरन्तर सेवारत होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को अपने नियोक्ता से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' संस्थान के लेटर पैड पर लेना आवश्यक है, जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि:–

- अभ्यर्थी संस्थान में वेतन पर कार्यरत है।
- अभ्यर्थी को उसका संस्थान (जहा से वो वेतन ले रहा है।) उसके शोध कार्य हेतु आवश्यक छूट प्रदान करेगा। यह उस संस्थान को अनापत्ती प्रमाण पत्र में सुनिश्चित करना होगा।
- अभ्यर्थी को अंशकालिक पी–एच डी. प्रोग्राम में अध्ययन करने हेतु स्वीकृति प्रदान की जाती है।
- अपने कार्यालयीन कार्य के साथ–साथ शोध कार्य को भी पर्याप्त समय देना सुनिश्चित करेगा।
- यदि आवश्यकता होगी तो उन्हे कोर्स वर्क पूरा करने के लिए कार्यभार से मुक्त कर दिया जाएगा।

3) इनके अतिरिक्त जो अभ्यर्थी निजी कार्य/निजी व्यवसाय अथवा गृहकार्य में संलग्न है। वे भी इस पी–एच.डी. प्रोग्राम के लिए अर्ह है।
4) साक्षात्कार/परामर्श के समय विभागीय शोध समिति यह सुनिश्चित करेगी कि अभ्यर्थी उपर्युक्त सभी शर्ते पूर्ण करता हो तथा वह साक्ष्य के रूप में सम्बन्धित मूल प्रमाण पत्रों को जमा करेगा।
5) अंशकालिक पीएच.डी में प्रवेश के उपरांत यदि शोधार्थी अपनी सेवाएँ, जहां सेवा दे रहा है उस संस्थान को छोडकर दूसरी संस्थान में देता है तो उसे नयी संस्था जहां सेवाएँ देगा, से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर विश्वविद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।

6) शोधकार्य के दौरान अभ्यर्थी को संबंधित विभाग में न्यूनतम प्रति सेमेस्टर 7 दिन (पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य की अवधि के अतिरिक्त) की उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी यह उपस्थिति सम्बधित प्रारूप में ही मानी जायेगा।

7) शोध प्रबंध जमा करते समय शोध निर्देशक के द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि अभ्यर्थी ने पीएचडी शोध कार्य में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित न्यूनतम उपस्थिति दर्ज कराई है। इस हेतु शोधार्थी की उपस्थिति का सत्यापन सम्बन्धित निर्देशक द्वारा किया जायेगा।

8) कोर्स–वर्क के समय आवास/भोजनादि की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी किन्तु उसके अलावा शोधार्थी को आवास/भोजनादि की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

9) जो अभ्यर्थी अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम में शोधार्थी है वे किसी भी प्रकार के दूरस्थ या संस्थागत अन्य पाठ्यक्रम हेतु पंजीकृत नहीं हो सकते हैं। यदि कोई शोधार्थी उक्त नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसका पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

10) अंशकालिक पीएचडी प्रोग्राम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क तालिका के अनुसार देय होगा।

प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया –1 (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक)

- प्रवेश परीक्षा के लिए दो प्रश्न पत्र होंगे – प्रथम प्रश्न पत्र सभी अभ्यर्थियों के लिये अनिवार्य है यह शोध पद्धति से संबंधित होगा जो 35 अंकों का होगा (शोध पद्धति, research methodology Syllabus विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.dsvv.ac.in पर देखा जा सकता है) एवं द्वितीय प्रश्न पत्र चयन किये गये विषय अनुसार 35 अंकों (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नेट की परीक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम) का होगा।
- प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र, वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगे।
- यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके अभ्यर्थियों की लिखित प्रवेश परीक्षा नहीं होगी।
- यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर चूके अभ्यर्थियों को नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर शोध विमर्श हेतु वरियता सूची तैयार की जाएगी।(नेट परीक्षा के अंक जमा करने वाले अभ्यर्थी)
- लिखित प्रवेश परीक्षा 70 अंको की होगी एवं शोध विमर्श 30 अंकों का होगा।
- लिखित प्रवेश परीक्षा एवं यूजीसी नेट की परीक्षा में 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों का शोध विमर्श होगा।
- लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों का प्रतिशत एवं यूजीसी नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के आधार पर शोध विमर्श हेतु वरियता सूची तैयार की जाएगी।
- (SC/ST/OBC/Differently-abled category/EWS) अभ्यर्थियों को इसमें 5 अंकों की छूट दी जाएगी (45 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं)।
- पीएचडी हेतु विद्यार्थियों का अंतिम चयन लिखित परीक्षा एवं शोध विमर्श के आधार पर होगा।
- शोध विमर्श हेतु एक सीट के लिये अधिकतम 3 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया –2 (पूर्णकालिक)

- यूजीसी नेट/यूजीसी सीएसआईआर नेट/गेट/सीईईडी और इसी तरह के राष्ट्रीय स्तर के परीक्षाओं में छात्रवृत्ति/अध्येतावृत्ति प्राप्त अभ्यर्थी शोध विमर्श हेतु अर्ह होगे।

- पीएचडी हेतु विद्यार्थियों का अंतिम चयन शोध विमर्श के आधार पर होगा।
- शोध विमर्श की तिथियों का निर्धारण अलग से होगा। जो की समयानुसार सूचित कर दिया जाएगा।

नोट – किसी भी विवाद की स्थिति में निर्णय का अधिकार हरिद्वार न्यायालय का क्षेत्राधिकार होगा।

अन्य नियम एवं शर्ते

- स्नातकोत्तर (पोस्ट–ग्रेजुएट) तक की सभी उपाधियाँ एवं अंक–तालिकाओं की सत्यापित प्रतियाँ (जमा करना है)।
- पासपोर्ट साइज के दो रंगीन फोटो।(जमा करना है)
- प्रव्रजन प्रमाण पत्र (पंजीयन के समय, जमा करना है)।
- विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित वेश–भूषा (छात्राओं हेतु सफ़ेद सलवार कुर्ता या पीली साड़ी एवं छात्रों हेतु सफ़ेद कुर्ता पायजामा या धोती कुर्ता। कोर्स वर्क के पश्चात विभागीय कार्यों चाहे वह कोई भी हो अध्यापन कार्य या कार्यालयीन कार्य के समय में पूर्ण शोध कार्य पूर्ण होने तक छात्राओं को साड़ी एवं छात्रों को कुर्ता पायजामा या धोती कुर्ता पहनना अनिवार्य है) पूर्णकालिक एवं अंशकालिक अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में निर्धारित वेश–भूषा का पालन करना अनिवार्य है।

शोध कार्य की निर्धारित समयावधि –(पूर्णकालिक एवं अंशकालिक)

- शोध कार्य की अवधि पाठ्यक्रम कार्य सहित न्यूनतम 3 वर्ष तथा अधिकतम 6 वर्ष होगी। यह अवधि पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य की कक्षाएँ प्रारंभ होने की तिथि से मानी जाएगी।

कोर्स–वर्क की प्रक्रिया (पूर्णकालिक अभ्यर्थियों हेतु)

- पूर्णकालिक विधा से शोध कार्य करने वाले सभी शोधार्थियों के लिए कोर्स–वर्क करना अनिवार्य है। एक सेमेस्टर का नियमित कोर्स–वर्क 13 क्रेडिट का होगा।
- शोध कार्य पूर्ण होने तक पूर्णकालिक विधा के शोधार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में रहकर शोध कार्य करना अनिवार्य होगा।
- यदि आप किसी संस्था/सेवा में कार्यरत हैं तो आपको उस संस्था से अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं संस्था का अनुमोदन/अवकाश स्वीकृति पत्र (शोध कार्य पूर्ण होने तक का अवकाश स्वीकृति पत्र) देव संस्कृति विश्वविद्यालय में प्रवेश से पूर्व ही जमा करना आवश्यक है।
- पूर्णकालिक शोध कार्य के साथ–साथ शोधार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शिक्षण कार्य/कार्यालयी कार्य/अन्य कार्य करना अनिवार्य होगा।
- कोर्स–वर्क शोध प्रविधि, सांख्यिकी, कम्प्यूटर प्रयोग विधि, विषय ज्ञान, सिनॉप्सिस/रिसर्च प्रपोजल बनाना, संबंधित विषयो में शोध के नवीनतम आयामों पर आधारित होगा।
- कोर्स–वर्क पूर्ण होने पर एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसे 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

- विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार कोर्स–वर्क में 75 प्रतिशत की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- कोर्स–वर्क के साथ शोध समिति/संवीक्षा समिति के समक्ष शोध विषय का प्रस्तुतीकरण करना होगा। समिति की संस्तुति के पश्चात अभ्यर्थी को शोध संक्षेपिका(सिनॉप्सिस) जमा करनी होगी, तत्पश्चात पंजीकरण का कार्य किया जाएगा।
- अभ्यर्थी को स्वयं प्रत्येक छः माह पर प्रगति रिपोर्ट एवं निर्धारित शुल्क शोध समिति/संवीक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- सभी नियमों में परिवर्तन का पूर्ण अधिकार मा0 कुलाधिपति महोदय जी के पास सुरक्षित होगा।

कोर्स–वर्क की प्रक्रिया (अंशकालिक अभ्यर्थियों हेतु)

- अंशकालिक विधा से शोध कार्य करने वाले सभी शोधार्थियों के लिए कोर्स–वर्क करना अनिवार्य है।
- अंशकालिक कोर्स–वर्क कुल 13 क्रडिट का होगा।
- अंशकालिक विधा के अभ्यर्थियों की विश्वविद्यालय परिसर में लगने वाली कक्षाएँ प्रवेश के साथ 15 दिन तक तथा कोर्स–वर्क की अवधि समाप्ति से पूर्व 15 दिन के कालखण्ड में लगेगी। इन कक्षाओं में अभ्यर्थियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- यदि आप किसी संस्था/सेवा में कार्यरत हैं तो आपको उस संस्था से अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं संस्था का अनुमोदन/अवकाश स्वीकृति पत्र, देव संस्कृति विश्वविद्यालय में प्रवेश से पूर्व ही जमा करना आवश्यक है।
- कोर्स–वर्क शोध प्रविधि, सांख्यिकी, कम्प्यूटर प्रयोग विधि, विषय ज्ञान, सिनॉप्सिस/रिसर्च प्रपोजल बनाना, संबंधित विषयो में शोध के नवीनतम आयामों पर आधारित होगा।
- कोर्स–वर्क पूर्ण होने पर एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसे 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
- विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार कोर्स–वर्क में 75 प्रतिशत की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- कोर्स–वर्क के साथ शोध समिति/संवीक्षा समिति के समक्ष शोध विषय का प्रस्तुतीकरण करना होगा। समिति की संस्तुति के पश्चात अभ्यर्थी को शोध संक्षेपिका(सिनॉप्सिस) जमा करनी होगी, तत्पश्चात पंजीकरण का कार्य किया जाएगा।
- अभ्यर्थी को स्वयं प्रत्येक छः माह पर प्रगति रिपोर्ट एवं निर्धारित शुल्क शोध समिति/संवीक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

प्रस्तावित पूर्णकालिक पीएच.डी. हेतु निर्धारित शुल्क

- आवेदन पत्र एवं परीक्षा शुल्क 2000/–
- कोर्स वर्क शुल्क 50,000/–
- पंजीयन शुल्क 10,000/–
- प्रगति रिपोर्ट शुल्क 15,000/–(प्रति–सेमेस्टर)
- प्री–सब्मिशन शुल्क 5,000/–
- शोध ग्रंथ मूल्यांकन 25,000/–
- पूर्णकालिक शोधार्थियों हेतु अनुरक्षण राशि 24,000/– (प्रति सेमेस्टर)
- शोध कार्य का समय बढ़ाने हेतु निर्धारित शुल्क 10,000/– रूपये मात्र।
- दक्षिण–एशियाई देश (भारत के पड़ोसी देश) जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, बर्मा, तिब्बत, मालदीव के शोधार्थियों पर भी भारतीय शोधार्थियों के समकक्ष समस्त शुल्क लागू होगा।

प्रस्तावित अंशकालिक पीएच.डी. हेतु निर्धारित शुल्क

- आवेदन पत्र एवं परीक्षा शुल्क 2000/–
- कोर्स वर्क शुल्क 50,000/–
- पंजीयन शुल्क 10,000/–
- प्रगति रिपोर्ट शुल्क 15,000/–(प्रति–सेमेस्टर)
- प्री–सब्मिशन शुल्क 5,000/–
- शोध ग्रंथ मूल्यांकन 25,000/–
- शोध कार्य का समय बढ़ाने हेतु निर्धारित शुल्क 10,000/– रूपये मात्र।

  दक्षिण–एशियाई देश (भारत के पड़ोसी देश) जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, बर्मा, तिब्बत, मालदीव के शोधार्थियों पर भी भारतीय शोधार्थियों के समकक्ष समस्त शुल्क लागू होगा।

Full Time Ph.D. Program 2025-26

प्रस्तावित विषयवार सीटों की संख्या

Number of seats offered

पूणकालिक पीएचडी – विभाग	**पूर्णकालिक पीएचडी – प्रस्तावित सीटें**
मानवीय चेतना एवं योग विज्ञान Human Consciousness & Yogic Sciences	07
पत्रकारिता एवं जन–संचार Journalism &Mass Communication	03
पर्यटन प्रबंधन Tourism Management	03
प्राच्य अध्ययन – रसायन शास्त्र 01, आयुर्वेद 02 Oriental Studies- Chemistry 01, Ayurved 02	Chemistry 01, Ayurved 02
भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन–1,वादन–1) Indian Classical Music (Vocal-1, Tabla-1)	02
हिन्दी विभाग Hindi	02

Part Time Ph.D. Program 2025-26

प्रस्तावित विषयवार सीटों की संख्या

Number of seats offered

अंशकालिक पीएचडी – विभाग	**अंशकालिक पीएचडी – प्रस्तावित सीटें**
मनोविज्ञान Psychology	06
कम्प्यूटर विज्ञान Computer Sciences	03
भारतीय संस्कृति एवं इतिहास History and Indian Culture	02
प्राच्य अध्ययन – (प्रबंधन 01, गणित 01) Oriental Studies - Management 01, Mathematic 01	Management 01, Mathematic 01
प्राच्य अध्ययन, धर्म अध्ययन एवं दर्शन विभाग **(**हिन्दू अध्ययन 02, दर्शनशास्त्र 01) Oriental Studies, Religious studies and Philosophy (Philosophy-1, Hindu Studies- 2)	Philosophy-1, Hindu Studies- 2
संस्कृत विभाग Sanskrit	01

2025–26 पूर्णकालिक एवं अंशकालिक पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा की प्रस्तावित महत्त्वपूर्ण तिथियों से संबंधित सूचना

- आवेदन पत्र वितरण करने की तिथि — 1 दिसम्बर 2025
- आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि — 28 मार्च 2026
- लिखित प्रवेश परीक्षा की तिथि — 05 अप्रैल 2026
- शोध विमर्श हेतु चयनित अभ्यर्थियों की घोषणा — 13 अप्रैल 2026
- चयनित अभ्यर्थियों के शोध–विमर्श की संभावित तिथियाँ — 20 अप्रैल 2026 से 30 मई 2026
- चयनित अभ्यर्थियों की घोषणा — 06 जून 2026
- पंजीकरण प्रक्रियाँ — 10 जून 2026 से 30 जून 2026
- ज्ञानदीक्षा — जुलाई 2026
- कोर्स–वर्क प्रारंभ (ज्ञानदीक्षा के पश्चात) — जुलाई 2026
- लिखित परीक्षा का समय **प्रातः 11:00 बजे से 01:00** बजे तक रहेगा।
- सभी विषयों का शोध विमर्श अलग–अलग निर्धारित तिथियों में होगा। जिस विषय के लिये जो तिथि निर्धारित की गई है उस विषय का उसी दिन शोध विमर्श होगा। इसकी सूचना समयानुसार दी जाएगी।

शोध विमर्श की तिथियाँ

विभाग	**शोध–विमर्श की प्रस्तावित तिथियाँ**
मानवीय चेतना एवं योग विज्ञान Human Consciousness & Yogic Sciences	20 April to 25 April 2026
मनोविज्ञान Psychology	27 April to 30 April 2026
प्राच्य अध्ययन रसायन शास्त्र Oriental Studies Chemistry	02 May 2026
पत्रकारिता एवं जन–संचार Journalism &Mass Communication	04 May to 06 May 2026
भारतीय संस्कृति एवं इतिहास History and Indian Culture	07 May to 08 May 2026
कम्प्यूटर विज्ञान Computer Sciences	11 May to 13 May 2026
पर्यटन प्रबंधन Tourism Management	14 May to 16 May 2026
प्राच्य अध्ययन प्रबंधन आयुर्वेद गणित Oriental Studies Management Ayurved Mathematic	18 May 2026 19 May to 20 May 2026 21 May 2026
भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन–1,वादन–1) Indian Classical Music(Vocal-1, Tabla-1)	22 May to 23 May 2026
संस्कृत विभाग Sanskrit	25 May 2026
प्राच्य अध्ययन, धर्म अध्ययन एवं दर्शन विभाग (हिन्दू अध्ययन 02, दर्शनशास्त्र 01) Oriental Studies, Religious studies and Philosophy (Philosophy-1, Hindu Studies- 2)	26 May to 28 May 2026
हिन्दी विभाग Hindi	29 May to 30 May 2026

शोध–विमर्श का प्रारूप

- लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी एवं लिखित परीक्षा से मुक्त अभ्यर्थियों को शोध विमर्श से पूर्व अपने शोध विषय का प्रारूप (टॉपिक विस्तार से) निर्धारित तिथियों के पूर्व पीएच.डी. सेल में जमा करना आवश्यक है। अभ्यर्थी अपने शोध विषय का प्रारूप ई–मेल (phdcell@dsvv.av.in) के द्वारा भी भेज सकते हैं।
- शोध विमर्श समिति के समक्ष प्रत्येक अभ्यर्थी को अधिकतम 10 मिनट का समय प्रस्तुतिकरण हेतु दिया जायेगा।
- शोध विषय प्रस्तुतिकरण का प्रारूप

0 शोध शीर्षक (Title of the Study)

0 शोध परिचय (Introduction)

0 पूर्व में हुए शोध (Review of Literature)

0 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व (Need of the Study)

0 अध्ययन की प्रासंगिकता (Significance of the Study)

0 शोध प्रविधि (Research Methodology)

0 उपकरण (Tools)